THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI RAMAKANT D. KHALAP): (a) yes Sir.

(b) Arteether is not a homoeopathic or ayurvedic drug. The formulation belongs to the modern medicine group.

(c) The Central Drug Research Institute, Lucknow generated pre-clinical data on Arteether in 1988; and conducted phase-I and Phase-II studies upto 1994. Phase-III multicentric field trial was initiated in August, 1995 and completed in April, 1996. 478 patients of p.falciparum malaria were included in the said study.

(d) Arteether was tested by the Central Drug Laboratory Calcutta prior to its approval. Telerance to Arteether Injection was good in all the cases and no significant adverse drug reaction was encountered during the trial.

(e) The drug not been marketed in the country.

जनसंख्या की बढ़ती हुई दर को ध्यान में रखते हुए परिवार कल्याण के लिए प्रोत्साहन

3290. **श्रीमती मालती शर्मा:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश में राज्यवार तथा संघशासित क्षेत्र-वार जनसंख्या की वृद्धि दर क्या है; और

(ख) छोटे परिवार के मानदण्ड को बढ़ावा देने के लिये निर्धारित किए गए प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) वर्ष 1995 की नवीनतम नमूना पंजीयन पद्धति के अनुसार जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा दर को दर्शाने वाला ब्यौरा विवरण में दिया गया है।

(ख) (I) बन्ध्यीकरण के स्वीकार कर्ताओं को मजदूरी की हानि के लिए नगद क्षतिपूर्ति।

(II) उन सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष वेतनवृद्धि और गृहनिर्माण अग्रिम पर ब्याज में छूट जो 3 अथवा कम बच्चों के बाद बन्ध्यीकरण कराते हैं।

विवरण

1995 के लिए जनसंख्या की राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार प्राकृतिक वृद्धि दर
(प्रतिशत में)

क्रमांक	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	प्राकृतिक वृद्धि (प्रतिशत में) 1995 (अनन्तिम)
	भारत	1.93
	बड़े राज्य	
	आंध्र प्रदेश	1.57
	असम	1.97
	बिहार	2.16
	गुजरात	1.91
	हरियाणा	2.20
	कर्नाटक	1.66
	केरल	1.17
	मध्य प्रदेश	2.19
	महाराष्ट्र	1.71
	उड़ीसा	1.69
	पंजाब	1.74
	राजस्थान	2.41
	तमिलनाडु	1.23
	उत्तर प्रदेश	2.43
	पश्चिम बंगाल	1.59
	अन्य राज्य	
	अरुणाचल प्रदेश	1.78
	गोवा	7.00
	हिमाचल प्रदेश	1.66
	जम्मू और कश्मीर	अनुपलब्ध
	मणिपुर	1.36
	मेघालय	2.00
	नागालैंड	अनुपलब्ध
	सिक्किम	1.56
	त्रिपुरा	1.11
	संघ राज्य क्षेत्र	
	अंदमान व निकोबार द्वीप समूह	1.30
	चंडीगढ़	1.34
	दादरा व नागर हवेली	2.15
	दमण व दीव	1.38

दिल्ली	1.67
लक्षद्वीप	1.78
पांडिचेरी	1.25

स्रोतः नमूना पंजीयन पद्धति

सरकार द्वारा केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान एवं विश्वायतन योगाश्रम का अधिग्रहण

3291. **श्री दिलीप सिंह जूदेवः क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान एवं विश्वायतन योगाश्रम, नई दिल्ली का अधिग्रहण कब एवं किन कारणों से किया गया है;

(ख) इन संस्थानों को केन्द्र सरकार द्वारा प्रति वर्ष कितनी धनराशि इनके अधिग्रहण के पूर्व तक प्रदान की गई थी;

(ग) इन संस्थानों के लेखाओं में जालसाजी करने एवं गंभीर वित्तीय अनियमिततायें करने के कितने प्रकरण सामने आये हैं और उन पर क्या कार्यवाही की गई है तथा उन व्यक्तियों के नाम क्या हैं, जिनके विरुद्ध कार्यवाही की गई है; और

(घ) इन दोनों संस्थानों में चलाये जा रहे कार्यक्रमों और उनकी उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी) (क) केन्द्र सरकार ने जनहित को ध्यान में रखते हुए और कार्य-प्रबंध को समुचित बनाने के लिए 24.5.1977 को केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान और विश्वायतन योगाश्रम का संचालन अपने हाथ में ले लिया था।

(ख) केन्द्रीय सरकार द्वारा केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान और विश्वायतन योगाश्रम के प्रबंध को अपने हाथ में लेने से पूर्व इन्हें प्रदान की गई निधियों का वर्षवार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिए)

(ग) केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान और विश्वायतन योगाश्रम में धनराशि के समुपयोग में हुई अनियमितताओं एवं स्व० स्वामी धीरेन्द्र ब्रहमचारी द्वारा कार्य-कुप्रबंध के बारे में अनेक शिकायतें प्राप्त होने के पश्चात इस मंत्रालय ने वर्ष 1986 में उन आरोपों की जांच-पड़ताल के लिए दो जांच अधिकारी नियुक्त किए थे। जांच रिपोर्टों के आधार पर इस मंत्रालय ने 1.4.1990 से विश्वायतन योगाश्रम को अनुदान देना बंद कर दिया। चूंकि स्वामीजी की मृत्यु के पश्चात् ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो उनके जीवनकाल के दौरान केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान और विश्वायतन योगाश्रम के कार्यकरण के संबंध में उनके द्वारा किए गए कार्यों का लेखा-जोखा दे सके, अतः यह निर्णय लिया गया है कि जांच रिपोर्टों पर आगे कार्रवाई न की जाए।

(घ) केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान व्यक्तियों को योग प्रशिक्षण और विभिन्न रोगों से ग्रस्त रोगियों को योग चिकित्सा प्रदान करता है जबकि विश्वायतन योगाश्रम संस्थान के परिसर में लोगों को केवल योग प्रशिक्षण प्रदान करता है। चूंकि ये संस्थान इस समय अपने कार्यों का निर्वाह प्रभावशाली रूप में नहीं कर रहे हैं, इन संस्थानों की परिसंपतियों का उपयोग करके एक राष्ट्रीय योग संस्थान की स्थापना करने के प्रयास प्रारंभ किए गए है।

विवरण

केन्द्रीय सरकार द्वारा केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान और विश्वायतन आश्रम का प्रबंध अपने हाथ में लेने से पूर्व इन संस्थाओं को प्रदान की गई धनराशि का ब्यौरा।

संस्थान का नाम	वर्ष	धनराशि (लाख रुपये)
1. केन्द्रीय योग अनुसंधान संस्थान	1975-76	3.40
	1976-77	7.08
2. विश्वायतन योगाश्रम	1957-58	0.20
	1958-59	0.50
	1959-60	0.70
	1960-61	0.20
	1961-62	0.92
	1962-63	0.27
	1965-66	0.53
	1966-67	0.31